

# **भारत का राजपत्र** **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 23, 1976/माघ 3, 1897

No. 30]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 23, 1976/MAGHA 3, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF LABOUR

### NOTIFICATION

*New Delhi, the 23rd January 1976*

**G. S. R. 38 (E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 37 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), and after consulting the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Apprenticeship Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Apprenticeship (Second Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 7 of the Apprenticeship Rules, 1962, for sub-rules (1) and (1A), the following sub-rules shall be substituted namely:—

“(1) The minimum rates of Stipend payable to trade apprentices shall be as follows:—

During the first year of training	. . . .	Rs. 130/- per month.
During the second year of training	. . . .	Rs. 140/- per month.
During the third year of training	. . . .	Rs. 150/- per month.
During the fourth year of training	. . . .	Rs. 200/- per month.



provided that in the case of trade apprentices referred to in clause (a) of section 6 of the Act, the period of training already undergone by them in a school or other institution recognised by the National Council, shall be taken into account for the purpose of determining the rate of stipend payable.

(1A) The minimum rates of Stipend payable to graduate or technician 'apprentices shall be as follows:—

- (i) Engineering Graduates . . . . . Rs. 280/- per month (for post Institutional Training),
- (ii) Sandwich course student from Degree Institutions Rs. 180/- per month,
- (iii) Diploma Holders . . . . . Rs. 180/- per month (for post Institutional Training),
- (iv) Sandwich course student from Diploma Institutions Rs. 150/- per month.\*\*

[No. DGET-13(1)/75-AP]

Ishwar Chandra, Jt. Secy.

### अम मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1976

सांका०नि० 38 (अ).—शिक्षु अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 37 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार, शिक्षुता नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम शिक्षुता (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. शिक्षुता नियम, 1962 के नियम 7 में, उप-नियम (1) और (1ए) के स्थान पर निम्न-लिखित उप-नियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(1) व्यवसाय शिक्षु को दी जाने वाली वृत्तिका की न्यूनतम दरें नीचे लिखे अनुसार होंगी:—

प्रशिक्षण के पहले वर्ष के दौरान	. . . . .	130 रु० प्रति मास
प्रशिक्षण के दूसरे वर्ष के दौरान	. . . . .	140 रु० प्रति मास
प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के दौरान	. . . . .	150 रु० प्रति मास
प्रशिक्षण के चौथे वर्ष के दौरान	. . . . .	200 रुपये प्रति मास

परन्तु अधिनियम की धारा 8 के खंड (क) में निर्दिष्ट व्यवसाय शिक्षुओं की दशा में, देय वृत्तिका की दर के अवधारण के प्रयोजनार्थ, उन शिक्षुओं द्वारा राष्ट्रीय परिषद् से मान्यता प्राप्त विद्यालय या अन्य संस्था में पहले ही प्राप्त प्रशिक्षण की अवधि की गणना में लिया जाएगा।



(1ए) स्नातक या तकनीशियन शिक्षार्थियों को देय वृत्तिका की न्यूनतम दरें नीचे लिखे अनुसार होंगी:—

- |  |  |
|--|--|
| (i) इंजीनियरी स्नातक                                 | 280 रु० प्रति मास (उत्तरवर्ती संस्थागत प्रशिक्षण के लिए) |
| (ii) डिग्री संस्थाओं का सैंडविच पाठ्यक्रम का छात्र   | 180 रु० प्रति मास  |
| (iii) डिप्लोमाधारी                                   | 180 रु० प्रति मास (उत्तरवर्ती संस्थागत प्रशिक्षण के लिए) |
| (iv) डिप्लोमा संस्थाओं का सैंडविच पाठ्यक्रम का छात्र | 150 रु० प्रति मास  |

[सं० डी जी ई टी-13(1) 75-ए०पी०]

ईश्वर चन्द्रा, संयुक्त सचिव ।



